दुनिया से मोहब्बत आखिरत की तबाही है

मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

राहे अमल हिन्दी.

‘नोट:- हदीष की रिवायत का खुलासा है.’

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

* मिश्कात, रावी अबू मूसा रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया की जो शख्स दुनिया से मोहब्बत करेगा वो अपनी आखिरत को तबाह करेगा, और जिस शख्स को अपनी आखिरत महबूब होगी तो वो अपनी दुनिया को नुकसान पहूंचायेगा. तो ऐ लोगो तुम बाकी रहने वाली जिन्दगी को फना हो जाने वाली जिन्दगी पर तरजीह दो. यानी दुनिया और आखिरत मै से एक को चुनना जरूरी है या तो दुनिया को अपना मकसद बनावो या आखिरत को. अगर दुनिया को अपना मकसद बनाते हो तो आखिरत की राहते और खुशियां ना पा सकोगे, और आखिरत को अपना मकसद बनाते हो तो उसके नतीजा मै हो सकता है की तुम्हारी दुनिया तबाह हो

जाये लेकिन उसके बदले मै आखिरत का इनाम मिलेगा जो हमेशा बाकी रहने वाला है, जो चीज आखिरत की राह पर चलने से तबाह होगी वो खत्म होने वाली है और ये जिन्दगी भी खत्म होने वाली है इस खत्म होने वाली चीज की कुर्बानी देकर अगर हमेशा रहने वाला इनाम मिले तो घाटे का सौदा नही है, सरासर नफा का सौदा है.

* तिर्मेज़ी, रावी शहाद बिन औस रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया की होशियार हकीकत मै वो है जिस ने अपने नफ्स को काबू मै किया और मौत के बाद आने वाली जिन्दगी सवारने मै लग गया, और बेवकूफ वो है जिसने अपने आप को नफ्स की नाजाइज ख्वाहिशो के पीछे लगाया और अल्लाह से गलत उम्मीद की. यानी हक को छोड कर अपने दिल का कहा मानता है और उम्मीद ये रखता है की अल्लाह उसे जन्नत दे देगा. ऐसी ही गलत आरजुओ मै कुरान के जमाने के यहूदी और नसरानी पडे हुवे थे और आज हमारे बहुत से मुसलमान भाई भी ऐसी ही गलत तमन्नाओ पर जिन्दगी गुजार रहे.

* बुखारी, रावी अबू हुरैरा रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया वो आदमी जिसको अल्लाह ने लम्बी जिन्दगी दी यहा तककि वो 60 वर्ष की उम्र तक पहुंच गया (और फिर भी वो नेक ना बन सका) तो अल्लाह के पास उस शख्स के पास कुछ कहने को बाकी ना रहेगा.